FA 1 कक्षा -10 अगस्त 2026

I. खंड अ : (5 x 1 = 5)

1. सूर्य
2. द्वंद्व समास
3. आशा
4. सु
5. गाँव

II. खंड आ : (10M)

6)

अ) आगे बढ़ने से रोकता है।

आ) B

इ) C

ई) C

7)

अ) उलझन में उलझे लोगों को तथ्य दीप समझाने को कहा ।

आ) C

इ) C

ई) C

III. खंड इ : (3X4=12M)

8 ज. यह प्रश्न "बरसते बादल" पाठ से दिया गया है। कवि- सुमित्रानंदन पंत जी है। वर्षा से पानी मिलता है। इससे सबकी प्यास बुझाती है। पानी के बिना पेड़- पौधे, पशु-पक्षी और मानव जीवित नहीं रह सकते हैं। वर्षा से तालाब, नदियाँ आदि पानी से भर जाते हैं। खेती की सिंचाई होती है। इसलिए वर्षा सभी प्राणियों के लिए जीवन का आधार है।

9 ज. यह प्रश्न "कण-कण का अधिकारी" पाठ से दिया गया है। कवि का मानना है कि जो व्यक्ति पसीना बहाता है और प्रकृति पर विजय प्राप्त करता है, वही सबसे बड़ा अधिकारी है। इसलिए, उसे सुखों से वंचित करके पीछे नहीं रहने देना चाहिए, बल्कि उसे उसका हक़ सबसे पहले मिलना चाहिए।

10 ज. यह प्रश्न “हम भारतवासी” पाठ से दिया गया है। इस पाठ के कवि श्री आर. पी. ‘निशंक’ जी हैं। सत्य, अहिंसा, त्याग और समर्पण जैसे भाव हमारे जीवन को श्रेष्ठ बनाते हैं। इनसे हमारे अंदर प्रेम, शांति, मानवता और विश्वबंधुत्व की भावना विकसित होती है। ये भाव हमें दूसरों की सहायता करने और समाज में सद्भाव बनाए रखने की प्रेरणा देते हैं।

11 ज. यह प्रश्न "लोकगीत" पाठ से दिया गया है। लेखक श्री भागवत शरण उपाध्याय जी हैं। आल्हा एक प्रसिद्ध लोकगीत है। इसे बुंदेलखंड में अधिक गाया जाता है। इसमें आल्हा-ऊदल की वीरता का वर्णन किया गया है। इसे चंदेल राजाओं के राजकवि जगनिक से संबंधित माना जाता है। आल्हा गीत लोगों में वीरता और उत्साह की भावना जगाता है।

12 ज. यह प्रश्न "शांति की राह में " नामक उपवाचक पाठ से दिया गया है। मदर तेरेसा हमेशा कहा करती थी- प्रार्थना करने वाले होठों से कहीं अच्छे सहायता करने वाले हाथ है। माने दीन दुःखियों की सेवा करना भगवान की आराधना करने के समान है। मानव सेवा ही माधव सेवा है। परोपकार के पथ पर चलनेवालों को ही वास्तविक जीवन मिलता है।

IV. खंड ई : (1 X8=8M)

13. अ) **परिचय**:- यह प्रश्न "ईदगाह" पाठ से दिया गया है।

पाठ का नाम	: ईदगाह
लेखक का नाम	: श्री प्रेमचंद जी
विधा	: कहानी
जीवनकाल	: 1880—1936
रचनाएँ	: गोदान, गबन, सेवासदन

विश्लेषण:- प्राचीन काल से ही नैतिक मूल्य भारतीय जीवन के प्रतिबिंब रहे हैं। ये हर भारतीय में समाए हैं। हम अपने बुजुर्गों का बड़ा ध्यान रखते हैं।

- हामिद भोली सूरत का 4-5 साल का दुबला-पतला लड़का था। वह नादान बालक था।
- उसके माता-पिता मर गये थे। वह अपनी दादी अमीना के साथ रहता था। वह दादी से बहुत प्यार और आदर करता था।
- हामिद के मित्र महमूद, मोहसिन, नूरे और सम्मी थे।
- मेले में महमूद-भिश्ती, मोहसिन-सिपाही, नूरे-वकील और सम्मी-धोबिन खरीदे।
- हामिद को ख्याल आता है, दादी के पास चिमटा नहीं है। तवे से रोटियाँ उतारती हैं तो हाथ जल जाते हैं। दादी भी बहुत प्रसन्न होती, इसलिए हामिद ने तीन पैसे से चिमटा खरीदा था।
- अमीना खुशी है कि हामिद उसका ख्याल रखता है। हामिद में त्याग, सद्भाव और विवेक है।
- दूसरों को खिलौने लेते और मिठाई खाते इसका मन कितना ललचाया होगा।
- वहाँ भी अपनी दादी की याद आयी। इसलिए अमीना का मन गद्गद् हो गया।

विशेषता:- इस कहानी में दादी और पोते का मार्मिक प्रेम दर्शाया गया है। बड़े-बुजुर्गों के प्रति प्रेम, सेवा और सम्मान करना हमारा कर्तव्य है।

(या)

आ) <u>परिचय</u>: यह प्रश्न "बरसते बादल" पाठ से दिया गया है।

पाठ का नाम	: बरसते बादल
विधा	: कविता
कवि का नाम	: सुमित्रानंदन पंत जी
जीवन काल	: 1900-1977
प्रमुख रचनाएँ	: वीणा, ग्रंथि, पल्लव, चिदंबरा
पुरस्कार	: ज्ञानपीठ पुरस्कार (चिदंबरा के लिए)

<u>विश्लेषण</u> :

◦ वर्षा ऋतु हमेशा सबकी प्रिय ऋतु रही है। सावन के महीने में मेघ झम-झम बरसते हैं।

◦ वर्षा के समय प्रकृति की सुंदरता देखने लायक होती है।

◦ पेड़-पौधे, पशु-पक्षी, मानव और यहाँ तक कि धरती खुशी से झूम उठते हैं।

◦ आकाश में बिजली चम-चम चमकती है।

◦ वर्षा होने पर मेंढक खुशी से टर्राते हैं। मोर कूकते हुए नाचने लगते हैं।

◦ झींगुर झन-झन बजते हैं तथा चातक पक्षी पीउ-पीउ पुकारता है।

◦ बादलों की गर्जना तथा वर्षा की बूँदों की मधुर ध्वनि वातावरण को आनंदमय बना देती है।

◦ बारिश की धारा को पकड़कर मन झूलने लगता है।

◦ कवि सावन के गीत गाने तथा इंद्रधनुष के झूले में झूलने की कामना करता है।

◦ धरती पर पानी की धाराएँ बहने लगती हैं तथा मिट्टी के कण-कण में कोमल अंकुर फूट पड़ते हैं।

◦ प्रकृति में रहनेवाला हर प्राणी वर्षा पर निर्भर रहता है। पानी के बिना मानव, पशु-पक्षी और पेड़-पौधे जीवित नहीं रह सकते।

◦ वर्षा से नदियाँ भरती हैं। वह पानी फसलों के लिए काम आता है। अतः वर्षा सभी प्राणियों के लिए जीवन का आधार है।

<u>विशेषता</u> :

◦ इसी सौंदर्य का वर्णन यहाँ प्रस्तुत करते हुए कवि कहते हैं कि सबके मन को भानेवाला यह श्रावण मास हमारे जीवन में फिर-फिर आए।

प्रधानाध्यापक के हस्ताक्षर　　हिंदी अध्यापक/अध्यापिका के हस्ताक्षर